



Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai
Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSHI BHIMSHI CHHADVA -DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI

Website : jaineducationboard.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

जान्युआरी २०२० – महिला मंडळ प्रश्न पेपर – गुण – १००

श्रेणी – २

प्रश्न १

(क) पाठ पूर्ति करो (२४)

१. उस्सुत्तो अणिछियव्वो.
२. आईच्चेसु दिसंतु
३. त्रसजीव स्वसंबंधी
४. अे यथा परिणाम कीधुं छे अंगविहं
५. वणकम्मे रसवाणिज्जे
६. साइमं फलग
७. अेवी मारी स्पर्शनाअे
८. सदार मुळ थकी

(ख) नीचेना शब्दोना गुजराती अर्थ लखो. (८)

१. नमंसाभि -
२. अभिहया -
३. पित्त मुच्छाअे -
४. ताव -
५. अष्पाणं -
६. मणंतं च जिणं -
७. पचासयरा -
८. चक्कवट्टिणं -

(ग) नीचेना शब्द ने मागधीमां लखो. (८)

१. दर्शनना धारक -
२. रोगरहित -
३. गुरुसाक्षी ए गर्हा करुं छुं
४. सूर्यथी अधिक -
५. विराधना रहित अखंडित
६. घ्रासको पमाडयो होय
७. पाप (संसार निबंधन रूप) कर्मो नो
८. आप धर्मदेव छो.

(घ) सामायिकना ३२ दोषमांथी कयो दोष भागे ते लखो. (५)

१. कोईपण लाभ थाय तेवी इच्छा करवी.

२. वचननो ८मो दोष
३. कायानो १लो दोष
४. आदर भाव रहित सामायिक करवी.
५. वचननो ५मो दोष

(च) नीचेना सवालो ना जवाब लखो

(५)

१. इरियावहियं पाठ आपणने शुं शीखवे छे ?
२. प्रायश्चित एटले शुं ?
३. तीर्थकरो कोई उपर प्रसन्न थाय छे ?
४. काउस्सग्ग एटले शुं ?
५. सस्तन व्हेल ने केटली इन्द्रिय होय छे ? कई कई ?

(छ) खाली जग्या पूरो

(५)

१. सामायिक मां प्रमाद मां समय वितावे तेने तेने दोष कहे छे.
२. पाप करवा माटे वस्तु तैयार करवी तेने कहे छे.
३. स्त्रीनी जाति, कुळ, रूप, वेषभूषानी कथा करवी तेने कहे छे.
४. बीजा जीवोने कर्म बंधनथी मुक्त करावनार ने छे.
५. तीर्थकर भगवाननी वाणीथी स्तुति करीए तेने कहे छे.

(ज) फक्त संख्या लखो.

(५)

- | | |
|-----------------------------|----------------------|
| १. विकथा - | ६. कायाना दोष |
| २. सामायिक ना पाठ केटला ? - | ७. कर्म |
| ३. पापना पगथिया | ८. वंदना |
| ४. मनना दोष | ९. काउस्सग्ग ना आगार |
| ५. सामायिकनी घडी | १०. अशुचि स्थान |

प्रश्न २ संस्कार विभाग

(क) नीचेना सवालनो जवाब लखो.

(५)

१. उत्तरासंग एटले शुं ?
२. साधु-साध्वीजी केवो उपदेश आपे छे ?
३. दुनियामां आपणा आत्माने कोण बचावे छे ?
४. ज्ञान वृद्धिनो ७मो बोल लखो.
५. कोने जन्मनुं दुःख अने मरणनी पीडा नथी ?

(ख) नीचेना वाक्यो साचा के खोटा छे ते लखो

(७)

१. ज्ञान शीखवा माटे प्रमाद करवाथी ज्ञान वधे छे .
२. आत्मानुं भारे वजन होय छे.
३. मोक्षमां आत्माने अरूपी अने अमर कहेवाय.
४. आ दुनिया सुख अने शांतिथी भरेली छे.
५. अनित्य, क्षणिक, नाशवंत वस्तुओ जाणी लई तेना पर ममत्व न करवुं.
६. नवुं ज्ञान शीखती वखते साधु-साध्वी ने त्रण वंदना करीश.
७. जेमा जीव न होय तेने सचेत कहे छे.

(ग) जोडकां जोडो

(८)

१. धन्ना अणगार	यश
२. पुणिया श्रावक	जीवन बगडे
३. महावीर	मरण
४. आनंद श्रावक	सामायिक
५. मुहुपत्ति	बार व्रतो
६. अपयश	जैन धर्मनुं चिह्न छे.
७. जन्म	कष्ट सहन

प्रश्न ३ (क) वार्ता ने आधारे प्रश्नोना जवाब लखो

(५)

१. गामने पादर लोको शा माटे एकठां थया हता ?
२. बाळ पाश्चकुमारे अवधिज्ञान द्वारा शुं जाण्युं ?
३. बार वरसनी नानी वसुमती निराधार केवी रीते बनी ?
४. बेडीओ बांधेली हालत मां उंबरे बैठी चंदनबाळा आवी विकट परिस्थितिमां शुं विचारे छे ?
५. नंदीषेण मुनिने आवता मोडुं थयुं तेथी बीमार साधुअे क्रोधथी तेमने शुं कह्युं ?

(ख) खाली जग्या पूरो.

(५)

१. नंदीषेण मुनिअे कह्युं हे देव ! आ जगतमां नो धर्म अने तेना सिवाय बीजुं शुं महान छे ?
२. धनावह शेठे मुळा शेठाणी ने कह्युं के आने आपणी दीकरी गणीने राखजे. आ बाळा छे. आपणे तेने कहीने बोलावीशुं.
३. मृत्यु समये नागनुं चित्त समता अने धर्म ध्यानमां रहेवाथी ते मृत्यु पामीने नामना देवोना तरीके उत्पन्न थया.
४. मुनिअे नंदीषेण ने कह्युं के, सेवा संसार मां रहीने पण थई शके अने साची जीवोनी दयारूपनी सेवा साधु थईने पण करी शकाय.
५. चंदनबाळा भगवाननी सर्व साध्वीओमां साध्वी थया अनेसाध्वीओमां अग्रणी साध्वी थया.

प्रश्न ४ काव्य पूर्ति करो.

(१०)

१. मोक्ष अभिभाषी विश्वास छे. (२)
२. परमात्मा मानुं छुं. (३)
३. दुःख पहुंचे ना खाळवाना. (३)
४. अरिहंत अपार. (३)

..... जय जिनेन्द्र